दैनिक जागरण 14/05/2026 .com

# सीएसए मेस में पकेंगी छात्राओं की उगाई सब्जियां

- सीएसए के समग्र विकास के लिए एसओपी और कृषि यंत्रों के बड़े उत्पादन के निर्देश
- विश्वविद्यालय में खाली 189 पदों को जल्द से जल्द भरकर वर्ष 2027 तक कराएं नैक मूल्यांकन

जन भवन स्थित गांधी सभागार में सीएसए के कुलपति व अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल● संस्थान

**जागरण संवाददाता, कानपुर :** चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) की छात्राएं अब खेत में अपने लिए सब्जियां उगाएंगी। उनकी उगाई सब्जियां ही मेस में बनेंगी। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि इससे उन्हें ताजी सब्जियां खाने को मिलेंगी और सेहत अच्छी रहेगी। उन्होंने खाली पड़े 189 पद जल्द भरकर 2027 के अंत तक नैक मूल्यांकन कराने का निर्देश दिया है। इसके लिए सीएसए को अपने समग्र विकास के लिए समयबद्ध कार्ययोजना लागू करने, कृषि यंत्रों के बड़े स्तर पर निर्माण और शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को लखनऊ स्थित जनभवन के गांधी सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक एवं प्रस्तुतीकरण के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक, शोध और छात्र कल्याण गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में उन्होंने विश्वविद्यालय के निर्माणाधीन छात्रावासों के निर्माण को पूरा कराने और जर्जर हो चुकी इमारतों को गिराकर उनके स्थान पर नए भवन बनाने का प्रस्ताव बनाने को कहा है। बैठक में उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कृषि यंत्रों और तकनीकों का लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए बड़ी कंपनियों से आपसी समझौता (एमओयू) कर कृषि यंत्रों का व्यावसायिक स्तर पर निर्माण कराने को कहा है ताकि किसानों और महिलाओं को इसका सीधा लाभ मिल सके। शोध एवं गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ ही विद्यार्थियों को कौशल और रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ने को कहा। विश्वविद्यालय में बीएमआइ (बाडी मास इंडेक्स) मशीन स्थापित कर विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने को कहा है। उन्होंने मोटे अनाज (मिलेट्स) से बने पौष्टिक उत्पादों के उत्पादन और प्रसंस्करण को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों को इनफ्लिबनेट और 'वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन' योजना से जोड़ने के लिए योजना बनाने को कहा है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री की ईंधन बचत और स्वस्थ जीवनशैली संबंधी अपील का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय में जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

**तीन माह बाद आकर विकास कार्यों की करेंगी जांच:** राज्यपाल ने बैठक में कुलपति डा. संजीव गुप्ता को अगले तीन महीने में सभी कार्यों को पूरा कराने को कहा है। उन्होंने कहा कि तीन महीने बाद वह खुद आकर सभी कामों की समीक्षा करेंगे। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को किसानों के लिए बीज विकास कराने व तैयार बीजों की जानकारी देने के लिए संगोष्ठी और वर्कशाप आयोजित कराने को कहा है।

दैनिक जागरण 14/05/2026 .com

# सीएसए मेस में पकेंगी छात्राओं की उगाई सब्जियां

- सीएसए के समग्र विकास के लिए एसओपी और कृषि यंत्रों के बड़े उत्पादन के निर्देश
- विश्वविद्यालय में खाली 189 पदों को जल्द से जल्द भरकर वर्ष 2027 तक कराएं नैक मूल्यांकन

जन भवन स्थित गांधी सभागार में सीएसए के कुलपति व अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल● संस्थान

**जागरण संवाददाता, कानपुर :** चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) की छात्राएं अब खेत में अपने लिए सब्जियां उगाएंगी। उनकी उगाई सब्जियां ही मेस में बनेंगी। राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि इससे उन्हें ताजी सब्जियां खाने को मिलेंगी और सेहत अच्छी रहेगी। उन्होंने खाली पड़े 189 पद जल्द भरकर 2027 के अंत तक नैक मूल्यांकन कराने का निर्देश दिया है। इसके लिए सीएसए को अपने समग्र विकास के लिए समयबद्ध कार्ययोजना लागू करने, कृषि यंत्रों के बड़े स्तर पर निर्माण और शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को लखनऊ स्थित जनभवन के गांधी सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक एवं प्रस्तुतीकरण के दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक, शोध और छात्र कल्याण गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में उन्होंने विश्वविद्यालय के निर्माणाधीन छात्रावासों के निर्माण को पूरा कराने और जर्जर हो चुकी इमारतों को गिराकर उनके स्थान पर नए भवन बनाने का प्रस्ताव बनाने को कहा है। बैठक में उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कृषि यंत्रों और तकनीकों का लाभ किसानों तक पहुंचाने के लिए बड़ी कंपनियों से आपसी समझौता (एमओयू) कर कृषि यंत्रों का व्यावसायिक स्तर पर निर्माण कराने को कहा है ताकि किसानों और महिलाओं को इसका सीधा लाभ मिल सके। शोध एवं गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ ही विद्यार्थियों को कौशल और रोजगारपरक शिक्षा से जोड़ने को कहा। विश्वविद्यालय में बीएमआइ (बाडी मास इंडेक्स) मशीन स्थापित कर विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने को कहा है। उन्होंने मोटे अनाज (मिलेट्स) से बने पौष्टिक उत्पादों के उत्पादन और प्रसंस्करण को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों को इनफ्लिबनेट और 'वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन' योजना से जोड़ने के लिए योजना बनाने को कहा है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री की ईंधन बचत और स्वस्थ जीवनशैली संबंधी अपील का उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय में जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

**तीन माह बाद आकर विकास कार्यों की करेंगी जांच:** राज्यपाल ने बैठक में कुलपति डा. संजीव गुप्ता को अगले तीन महीने में सभी कार्यों को पूरा कराने को कहा है। उन्होंने कहा कि तीन महीने बाद वह खुद आकर सभी कामों की समीक्षा करेंगे। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय को किसानों के लिए बीज विकास कराने व तैयार बीजों की जानकारी देने के लिए संगोष्ठी और वर्कशाप आयोजित कराने को कहा है।

Times Of India 14/05/2026

# Guv calls for spl attention to innovations in farmers' interest

TIMES NEWS NETWORK

**Kanpur**: Uttar Pradesh Governor Anandiben Patel directed for special attention to the innovations, implementation of govt schemes, and effective utilization of the budget, said vice-chancellor, Chandrashekar Azad Agriculture and Technology University Kanpur, Dr Sanjeev Gupta on Wednesday.

During a review meeting held at Jan Bhavan, Lucknow on Wednesday, the governor emphasized making locally manufactured agricultural products and technologies accessible to farmers. The meeting also reviewed seed production and its distribution system to farmers.

She said that it was necessary to develop a systematic work culture in accordance with production and budget. Emphasizing the need to increase agricultural production in the working area of the Agriculture University Kanpur, she said that plans should be made keeping in mind the profit of farmers. Directives were also issued to identify the problems of farmers and provide timely assistance.

Governor Anandiben Patel during a meeting in Lucknow on Wednesday

Emphasis was also placed on manufacturing small agricultural implements and increasing production through their use. The need to develop small-scale technologies for processing and value addition of agricultural products was also highlighted.

The Governor spoke about promoting organic farming/natural farming and suggested that students should develop innovation-based models. Emphasis was also placed on increasing coordination with agricultural machinery manufacturing companies. The governor emphasised on implementing research work at the practical level.

Citing the PM Narendra Modi's call, she appealed for energy conservation, promotion of indigenous products, work from home, reduced fuel consumption, and avoiding unnecessary foreign travel.

The university officials informed her about efforts being made for agricultural research, seed development, and in the interest of farmers.

हिंदुस्तान 14/05/2026

चेतावनी | राज्यपाल ने जनभवन में की चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की समीक्षा

# अच्छा काम करें वर्ना करेंगे कार्रवाई : राज्यपाल

**कानपुर, प्रमुख संवाददाता।** प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) की समीक्षा की। उन्होंने विवि के अधिकारियों से कहा कि पूर्व और वर्तमान में दिए गए सभी निर्देशों का पालन करें। विवि में जो भी कमियां हैं, उन्हें जल्द से जल्द सुधार लें। अधिकारियों के सुधार की बात कहने पर राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत के दौरान आपके हॉस्टल से लेकर फॉर्म हाउस तक और स्वच्छता से लेकर अन्य जरूरतों का बारीकी से निरीक्षण के लिए टीमें भेजेंगे। लापरवाही मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राज्यपाल ने कहा कि विवि अपने क्षेत्र के गांव का सर्वे करे और सुनिश्चित करें कि 31 अगस्त तक जो बच्चे तीन वर्ष के हो चुके हैं, उनका आंगनबाड़ी केंद्र में नामांकन हुआ है या नहीं।

लखनऊ स्थित जनभवन के गांधी सभागार में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विवि की शैक्षणिक, प्रशासनिक, वित्तीय, शोध, छात्र कल्याण तथा कृषि प्रसार गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। राज्यपाल ने विवि के समग्र विकास के लिए एक प्रभावी एसओपी तैयार कर विकास कार्यों को समयबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसकी नियमित मॉनिटरिंग भी करें। लंबित पेंशन एवं जीपीएफ संबंधी समस्याओं, जर्जर भवनों, अधूरे निर्माण कार्यों तथा अन्य प्रशासनिक एवं वित्तीय समस्याओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। राज्यपाल ने कृषि विवि की ओर से विकसित कृषि यंत्रों एवं तकनीकों का लाभ किसानों तक बड़े स्तर पर पहुंचाने के लिए बड़ी कंपनियों के साथ एमओयू करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिन खाद्य पदार्थों की बाजार में अधिक मांग है, उनका उत्पादन बढ़ाया जाना चाहिए।

लखनऊ में समीक्षा के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ सीएसए आधिकारी।

## पॉक्सो पीड़ित बच्चों की करें देखभाल

राज्यपाल ने कहा कि पॉक्सो एक्ट के तहत पीड़ित बच्चियों की देखभाल जन भवन की ओर की जा रही है। विवि भी अपने क्षेत्रों में पीड़ित बच्चियों एवं बच्चों के प्रति संवेदनशील होकर कार्य करें।

## बीएमआई मशीन लगाकर स्वास्थ्य की जांच कराएं

राज्यपाल ने देशहित में ईंधन की खपत कम करने, अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने, वर्क फ्रॉम होम को बढ़ावा देने, साइकिल एवं पैदल चलने की आदत विकसित करने, ऊर्जा एवं संसाधनों के संयमित उपयोग, आयातित वस्तुओं पर निर्भरता कम करने तथा अनावश्यक सोने की खरीदारी से बचते हुए बचत एवं आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित किया। विवि में बीएमआई मशीन स्थापित कर छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कराएं।

अंक-65 कानपुर, गुरूवार 14 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्

दैनिक

आज का कानपुर

# कुलाधिपति/राज्यपाल ने की राजभवन में सीएसए की समीक्षा बैठक, कृषि नवाचार और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

आज का कानपुर

**कानपुर।** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ संजीव गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में जन भवन में आयोजित की गई। जिसमें विश्वविद्यालय की प्रगति प्रस्तुतीकरण की गई। बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और योजनाओं की समीक्षा की गई।राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन तथा बजट के प्रभावी उपयोग पर विशेष ध्यान देने को कहा।बैठक में बीज उत्पादन और उसके किसानों तक वितरण की व्यवस्था की समीक्षा की गई। राज्यपाल ने स्थानीय स्तर पर निर्मित कृषि उत्पादों और तकनीकों को किसानों तक सुलभ

बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्पादन और बजट के अनुसार एक व्यवस्थित कार्य संस्कृति विकसित करना आवश्यक है। कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कार्य क्षेत्र में कृषि उत्पादन बढ़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जानी चाहिए। किसानों की वास्तविक समस्याओं की पहचान कर समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में केंद्र सरकार की धन-धान्य योजना और दलहन-तिलहन योजना पर भी चर्चा हुई। साथ ही छोटे कृषि यंत्रों के निर्माण और उनके उपयोग से उत्पादन बढ़ने पर बल दिया गया। कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के लिए लघु तकनीकों के विकास की आवश्यकता भी बताई गई। राज्यपाल ने जैविक खेती/प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को इससे जोड़ने की बात कही। उन्होंने सुझाव दिया कि जिन छात्रों के पास कृषि भूमि है, वे नवाचार आधारित मॉडल विकसित करें।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में हो रहे नवाचारों की प्रभावी ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार आवश्यक है, ताकि किसानों तक तकनीक पहुंच सके। कृषि यंत्र बनाने वाली कंपनियों के साथ समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।शिक्षा और शोध के क्षेत्र में राज्यपाल ने पाठ्यक्रमों में नामांकन बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही शोध कार्यों को व्यवहारिक स्तर पर लागू करने और उनके परिणाम समाज तक पहुंचाने पर जोर दिया।राज्यपाल ने प्रधानमंत्री के आह्वान का उल्लेख करते हुए ऊर्जा बचत, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा, वर्क फ्रॉम होम, कम ईंधन उपयोग, और अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने की अपील की। विश्वविद्यालय अधिकारियों ने प्रदेश में कृषि अनुसंधान,बीज विकास और किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

अमर उजाला 14/05/2026

बैठक

31 अगस्त तक आसपास के गांवों का सर्वे करें, तीन साल के उम्र वाले छात्रों का आंगनबाड़ी में करवाएं पंजीकरण

# टीमें करेंगी निरीक्षण, गड़बड़ी मिली तो कार्रवाई

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। दीक्षांत का समय नजदीक आ रहा है। एक बार फिर पहले की तरह टीमें भेजकर संस्थान का निरीक्षण करवाया जाएगा। पहले की कमियों को दूर कर संस्थान को बेहतर बनाएं, अगर गड़बड़ी मिली तो इस बार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। यह निर्देश चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक में राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने दिए। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त तक आसपास के गांवों का सर्वे करें और तीन साल के उम्र वाले छात्रों का पंजीकरण आंगनबाड़ी में करवाएं।

सीएसए के अधिकारियों व कर्मचारियों की समीक्षा बैठक करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। संवाद

जनभवन के गांधी सभागार में हुई बैठक में उन्होंने विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए सख्त एसओपी बनाकर समयबद्ध कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने जर्जर भवनों, अधूरे निर्माण कार्यों और लंबित पेंशन-जीपीएफ मामलों पर नाराजगी जताते हुए स्पष्ट किया कि इन मुद्दों पर जल्द ही उच्चस्तरीय बैठक होगी, जिसमें जिम्मेदार अधिकारियों और मंत्रियों को जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित कार्यों को अब हर हाल में पूरा कराया जाए।

कृषि क्षेत्र में विश्वविद्यालय की भूमिका पर जोर देते हुए राज्यपाल ने निर्देश दिया कि यहां विकसित कृषि यंत्रों और तकनीकों को केवल कागजों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि बड़ी कंपनियों के साथ एमओयू कर उनका बड़े स्तर पर उत्पादन किया जाए, ताकि किसानों और महिलाओं को सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की काउंसलिंग संवेदनशील और मनोवैज्ञानिक तरीके से की जाए और हर स्तर पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो।

अमर उजाला 14/05/2026

बैठक

31 अगस्त तक आसपास के गांवों का सर्वे करें, तीन साल के उम्र वाले छात्रों का आंगनबाड़ी में करवाएं पंजीकरण

# टीमें करेंगी निरीक्षण, गड़बड़ी मिली तो कार्रवाई

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। दीक्षांत का समय नजदीक आ रहा है। एक बार फिर पहले की तरह टीमें भेजकर संस्थान का निरीक्षण करवाया जाएगा। पहले की कमियों को दूर कर संस्थान को बेहतर बनाएं, अगर गड़बड़ी मिली तो इस बार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी। यह निर्देश चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक में राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने दिए। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त तक आसपास के गांवों का सर्वे करें और तीन साल के उम्र वाले छात्रों का पंजीकरण आंगनबाड़ी में करवाएं।

सीएसए के अधिकारियों व कर्मचारियों की समीक्षा बैठक करतीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल। संवाद

जनभवन के गांधी सभागार में हुई बैठक में उन्होंने विश्वविद्यालय के समग्र विकास के लिए सख्त एसओपी बनाकर समयबद्ध कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने जर्जर भवनों, अधूरे निर्माण कार्यों और लंबित पेंशन-जीपीएफ मामलों पर नाराजगी जताते हुए स्पष्ट किया कि इन मुद्दों पर जल्द ही उच्चस्तरीय बैठक होगी, जिसमें जिम्मेदार अधिकारियों और मंत्रियों को जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित कार्यों को अब हर हाल में पूरा कराया जाए।

कृषि क्षेत्र में विश्वविद्यालय की भूमिका पर जोर देते हुए राज्यपाल ने निर्देश दिया कि यहां विकसित कृषि यंत्रों और तकनीकों को केवल कागजों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि बड़ी कंपनियों के साथ एमओयू कर उनका बड़े स्तर पर उत्पादन किया जाए, ताकि किसानों और महिलाओं को सीधा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि बालिकाओं की काउंसलिंग संवेदनशील और मनोवैज्ञानिक तरीके से की जाए और हर स्तर पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो।

# नवाचार व किसानों की आय बढ़ायें : राज्यपाल

## ❑ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में की सीएसए की समीक्षा बैठक

कानपुर, 13 मई। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ के राजभवन में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वद्यिालय की समीक्षा बैठक ली। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय की प्रगति प्रस्तुतीकरण की गई। बैठक में केंद्र सरकार की धन-धान्य योजना और दलहन-तिलहन योजना पर भी चर्चा हुई। साथ ही छोटे कृषि यंत्रों के निर्माण और उनके उपयोग से उत्पादन बढ़ाने पर बल दिया गया। कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के लिए लघु तकनीकों के विकास की आवश्यकता भी बताई गई। राज्यपाल ने जैविक खेती, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को इससे जोड़ने की बात कही। उन्होंने सुझाव दिया कि जिन छात्रों के पास कृषि भूमि है, वे नवाचार आधारित मॉडल विकसित करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में हो रहे नवाचारों की प्रभावी ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार आवश्यक है, ताकि किसानों तक तकनीक पहुंच सके। कृषि यंत्र बनाने वाली कंपनियों के साथ समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। सीएसए के कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने बताया कि समीक्षा बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन तथा बजट के प्रभावी उपयोग पर विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश दिये। बैठक में बीज उत्पादन और उसके किसानों तक वितरण की व्यवस्था की समीक्षा की गई। राज्य ने स्थानीय स्तर पर निर्मित कृषि उत्पादों और तकनीकों को किसानों तक सुलभ बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्पादन और बजट के अनुसार एक व्यवस्थित कार्य संस्कृति विकसित करना आवश्यक है। कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कार्य क्षेत्र में कृषि उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जानी चाहिए। किसानों की वास्तविक समस्याओं की पहचान कर समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। शिक्षा और शोध के क्षेत्र में राज्यपाल ने पाठ्यक्रमों में नामांकन बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही शोध कार्यों को व्यवहारिक स्तर पर लागू करने और उनके परिणाम समाज तक पहुंचाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री के आह्वान का उल्लेख करते हुए ऊर्जा बचत, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा, वर्क फ्रॉम होम, कम ईंधन उपयोग, और अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने की अपील की। विश्वविद्यालय अधिकारियों ने प्रदेश में कृषि अनुसंधान,बीज विकास और किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

राजभवन में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, सीएसए के कुलपति डा.सजीव गुप्ता व अन्य।

# नवाचार व किसानों की आय बढ़ायें : राज्यपाल

## ❑ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में की सीएसए की समीक्षा बैठक

कानपुर, 13 मई। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ के राजभवन में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वद्यिालय की समीक्षा बैठक ली। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय की प्रगति प्रस्तुतीकरण की गई। बैठक में केंद्र सरकार की धन-धान्य योजना और दलहन-तिलहन योजना पर भी चर्चा हुई। साथ ही छोटे कृषि यंत्रों के निर्माण और उनके उपयोग से उत्पादन बढ़ाने पर बल दिया गया। कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के लिए लघु तकनीकों के विकास की आवश्यकता भी बताई गई। राज्यपाल ने जैविक खेती, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को इससे जोड़ने की बात कही। उन्होंने सुझाव दिया कि जिन छात्रों के पास कृषि भूमि है, वे नवाचार आधारित मॉडल विकसित करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में हो रहे नवाचारों की प्रभावी ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार आवश्यक है, ताकि किसानों तक तकनीक पहुंच सके। कृषि यंत्र बनाने वाली कंपनियों के साथ समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। सीएसए के कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने बताया कि समीक्षा बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों और योजनाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन तथा बजट के प्रभावी उपयोग पर विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश दिये। बैठक में बीज उत्पादन और उसके किसानों तक वितरण की व्यवस्था की समीक्षा की गई। राज्य ने स्थानीय स्तर पर निर्मित कृषि उत्पादों और तकनीकों को किसानों तक सुलभ बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्पादन और बजट के अनुसार एक व्यवस्थित कार्य संस्कृति विकसित करना आवश्यक है। कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के कार्य क्षेत्र में कृषि उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जानी चाहिए। किसानों की वास्तविक समस्याओं की पहचान कर समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। शिक्षा और शोध के क्षेत्र में राज्यपाल ने पाठ्यक्रमों में नामांकन बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही शोध कार्यों को व्यवहारिक स्तर पर लागू करने और उनके परिणाम समाज तक पहुंचाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री के आह्वान का उल्लेख करते हुए ऊर्जा बचत, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा, वर्क फ्रॉम होम, कम ईंधन उपयोग, और अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने की अपील की। विश्वविद्यालय अधिकारियों ने प्रदेश में कृषि अनुसंधान,बीज विकास और किसानों के हित में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

राजभवन में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, सीएसए के कुलपति डा.सजीव गुप्ता व अन्य।